अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय- 01-18

संदिग्धार्थकता : संकल्पना एवं परिभाषा

1. संदिग्धार्थकता

1.1 संदिग्धार्थकता के प्रकार

1.2 शब्द की संदिग्धार्थकता: स्वरूप और प्रकृति

1.3 संदिग्धार्थकता के कारण

द्वितीय अध्याय - 19-35

संज्ञा एवं क्रिया स्वरूप एवं संदिग्धार्थकता

2. संज्ञा संरचना और स्वरूप

2.1 व्याकरणिक प्रकार्य एवं संदिग्धार्थकता

2.2 क्रिया के भेद एवं संदिग्धार्थकता

तृतीय अध्याय- 36-50

संज्ञा क्रिया एवं संदिग्धार्थकता: अभिज्ञान एवं निराकरण संबंधी नियम

3. संदिग्धार्थक शब्दों का संज्ञा एवं क्रिया के रूप में प्रयोग

3.1 संज्ञा एवं क्रिया के रूप में प्रयोग एवं मशीनी अनुवाद समस्याएँ

3.2 संज्ञा एवं क्रिया संबंधी संदिग्धार्थकता के निराकरण हेतु नियम

उपसंहार - 51-52

संदर्भ ग्रंथ सूची- 52-57